11-12 सितंबर 2022 के दौरान दशहरा ग्राउंड, कोटा में आयोजित नेशनल एमएसएमई कॉन्क्लेव और एग्जीबिशन में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

माननीय रक्षा राज्य और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट जी;

विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो:

---

1. आज कोटा, राजस्थान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, जब यहां पर MSME कॉन्कलेव और डिफेंस एक्सपो आयोजित हो रहा है। देश के रक्षा उपकरण बनाने वाली बड़ी कंपनियां और निवेशक भी यहां पर आये हैं। डिफेंस सेक्टर के प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर की बड़ी भागीदारी मैं यहाँ देख रहा हूँ। कोटा में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

2. कोटा, राजस्थान में यह पहली बार है कि National MSME Conclave and Expo. का आयोजन हो रहा है। इसमें हमारी कोशिश है कि देश की सरकारी और निजी कंपनियां मिलकर डिफेंस मेनुफैक्चरिंग के अंदर MSME Sector को जोड़कर, हमारे डिफेंस

सेक्टर की बड़ी संभावनाओं पर साझा प्रयास किया जाए। इसमें हमारे प्रतिभाशाली युवा वर्ग और स्टार्टअप्स भी आगे आएं। इस तरह हम एक व्यापक कार्य योजना बनाकर काम करें, ताकि भारत अपने स्तर पर उत्कृष्ट श्रेणी के रक्षा उत्पादों का विनिर्माण कर सकें।

3. भारत में डिफेंस सेक्टर में हमारे नौजवानों के लिए बहुत बड़ा अवसर है। समय समय पर भारत सरकार का रक्षा मंत्रालय ऐसी कई पहल कर रहा है, जिससे युवाओं को डिफेंस सेक्टर में नवाचार के लिए प्रेरित किया जाए।

4. हमारे रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिये स्टार्टअप्स, बड़ी कंपनियों और सशस्त्र बलों के कर्मचारियों के साथ कॉलेज-यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले हमारे प्रतिभाशाली नौजवानों को साथ आना ज़रूरी है।

5. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा उत्पादों के विनिर्माण (manufaturing) के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। मेक इन इंडिया की सोच के साथ हमने बड़े स्तर पर रक्षा उत्पाद तैयार किए हैं और आज हमारा विज़न है कि हम मेक फॉर द वर्ल्डकी सोच के साथ काम कर रहे हैं।

6. नवाचार और स्वदेशीकरण डिफेन्स सेक्टर में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण हैं। ये ऐसे स्तम्भ हैं, जो हमारी आर्म फोर्स, हमारे उद्योग, हमारे अनुसंधान और शिक्षा के साथ भारत के विकास और समृद्धि को भी बढ़ाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान के बाद देश ने डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता लाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

7. पहले जहाँ भारत छोटे से लेकर बड़े रक्षा उत्पादों के लिए दुनिया पर निर्भर था वहीं आज हम दुनिया के कई देशों को रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं।

8. भारत ने 300 से ज़्यादा ऐसे रक्षा उत्पादों की सूची तैयार कर ली है, जिनका अब भारत आयात नहीं करेगा और खुद अपने स्तर पर निर्माण करेगा।

9. किसी समय पर भारत अपनी रक्षा के लिए ज्यादातर रक्षा सामग्री बाहर से इम्पोर्ट करता था। दुनिया की दूसरी बड़ी आबादी, दूसरी बड़ी सेना और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र आखिर कब तक सिर्फ और सिर्फ इम्पोर्ट के भरोसे रह सकता था।

10. अब स्थिति यह है कि भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा है और अपने यहां बनाये गए रक्षा उत्पादों का निर्यात करता है। हमने

आने वाले समय में रक्षा निर्यात करने के लिए 5 बिलियन डॉलर का लक्ष्य रखा है।

11. साथियो, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता से ना केवल भारत की सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि रक्षा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। इससे हमारा रक्षा निर्यात बढ़ेगा, हमारी अर्थव्यवस्था समृद्ध होगी और साथ ही साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी साख में और अधिक बढ़ोतरी होगी।

12. मित्रो, आज ग्लोबलाइजेशन का दौर है। कोटा में तैयार हुआ प्रोडक्ट हम बड़ी आसानी से क्योटो में भी बेच सकते हैं। पूरी दुनिया का आज साझा बाजार है। ऐसे में हमारी यह सोच होनी चाहिए कि हम दुनिया को सबसे ज़्यादा निर्यात करें। हम दुनिया के मार्केट पर निर्भर ना रहे, बल्कि दुनिया का मार्केट हम पर निर्भर हो। इस विज़न को साकार करने में हमारे MSME की बड़ी भूमिका है। हमारे छोटे उद्योग, हमारे मध्यम उद्योग देश के बड़े सपनों को साकार करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

13. आज भारत सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में रक्षा प्रौद्योगिकी पर तेजी से काम चल रहा है। और भारत के नौजवानों, भारत के टेलेंट को आप देखोगे तो दुनिया के अधिकतर

देशों के अंदर रक्षा प्रौद्योगिकी पर आज भारत के नौजवान ही काम कर रहे हैं। यह हमारी क्षमता है।

14. देश के रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, हमारी राष्ट्र नीति का बहुत बड़ा हिस्सा है। भारत में रक्षा अनुसंधान, विकास तथा निर्माण के लिए देश में आवश्यक बुनियादी माहौल तैयार किया जा रहा है। MSME Sector को जोड़ा जा रहा है, जिससे लोग निवेश करें और इनोवेशन के लिए तैयार रहें। इसी के साथ, हमारी कोशिश है कि भारत में आईटी सेक्टर और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में और अधिक प्रगति हो।

15. हम बेहतर तकनीक से उपयोगकर्ता और उत्पादक के बीच सहभागिता से राष्ट्र की सुरक्षा को अधिक मजबूत कर सकते हैं।

16. भारत में रक्षा निर्माण केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसकी निजी क्षेत्र के साथ समान भागीदारी और साझेदारी होनी चाहिए। इस दिशा में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नए प्रयास किये हैं।

17. रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों में साझेदारी बनाई गई है और इस दिशा में बेहतर ढंग से काम किया जा रहा है।

18. इसलिए अब डीआरडीओ और रक्षा से जुड़े क्षेत्रों में भारत की प्राईवेट सेक्टर की कंपनियों के लिए भी रास्ते खोले गए हैं और अब भारतीय उद्योगों के लिए बिना चार्ज के टेस्टिंग और टेक्नोलोजी ट्रांसफर करने की नीति बनाई गई है।

19. इससे वर्ल्ड सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी बढ़ेगी और दुनिया के टॉप रक्षा उत्पादकों में भारत के रक्षा निर्माता भी शामिल होंगे, जिसका निश्चित लाभ डिफेंस सेक्टर के उद्योगों को मिलेगा। इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए इच्छुक इन्वेस्टर्स को भी इसका लाभ मिलेगा।

20. भारत में डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग को और गति देने के लिए नए लक्ष्य तय किए गए हैं। सरकार ने तय किया है कि रक्षा उत्पादन में MSME Sector की भागेदारी को बहुत बढ़ाया जाए।

21. आज यह डिफेंस एक्सपो कोटा की धरती पर आयोजित किया जा रहा है, ताकि कोटा में रहने वाले कोटा के नौजवानों और नागरिकों की बौद्धिक क्षमता का भरपूर उपयोग हो सके। साथ ही MSME Sector, निजी कंपनियों और सरकारी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के बीच अच्छी साझेदारी हो।

22. भारत में डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में असीमित संभावनाएं हैं। यहां Talent है और Technology भी है, यहां Innovation है और Infrastructure भी है, यहां Favourable Policy है और Foreign Investment की सुरक्षा भी है।

23. इसके साथ ही आने वाले समय में, भारत के नौजवानों ने जिस तरीके से देश के अंदर स्टार्ट अप खड़ा किया है, अब तक हमारे नौजवानों ने विभिन्न क्षेत्रों के अंदर 70 हजार से भी अधिक स्टार्ट अप खड़े किए हैं और उनमें सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। यह वास्तव में प्रेरणादायी है।

24. साथियो, कोटा आईटी सेक्टर का एक बड़ा सेन्टर है, यहां कई कॉलेज हैं, यहां पर रिसर्च और अनुसंधान करने के लिए एटोमिक पॉवर प्लांट हैं, बिजली बनाने वाली कंपनियां हैं, यहां बेहतर संसाधन भी उपलब्ध है।

25. हम चाहते हैं कि यहां के नौजवान रक्षा के क्षेत्र में भी काम करें, रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट का काम करें ताकि डिफेंस सेक्टर के अंदर कोटा के नौजवान और नागरिक राष्ट्र निर्माण के काम में लग सकें।

26. आधुनिक शस्त्रों के निर्माण की जो क्षमता भारत में है, वह उच्च श्रेणी की है क्योंकि भारत के नौजवानों की बौद्धिक क्षमता काफी

उत्कृष्ट है। आज Artillery Guns से लेकर Aircraft Carrier और सबमैरिन तक भारत में बन रहे हैं। यह हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता का परिचायक है।

27. मुझे आशा है कि आज यहां एक्सपो में आई हुई बड़ी कंपनियां और MSME Sectors से जुड़ी कंपनियां कोटा और राजस्थान के Talent का उपयोग करेंगी और अपनी टेक्नोलोजी को साझा कर यहाँ के नौजवानों को आगे बढ़ाएगी। इसी के साथ आप कोटा में नए Infrastructure डवलप करेंगे ताकि हम डिफेंस सेक्टर के अंदर नए क्षेत्रों को जोड़ें और आने वाले समय के अंदर रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में हमारा देश आत्मनिर्भर बन सकेगा।

28. साथियो, आज कोटा में आयोजित दो दिवसीय कॉन्कलेव में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजनों से रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में MSME Sectors और निजी क्षेत्रों की भागेदारी बढ़ेगी और इस क्षेत्र में विकास हेतु नए अवसर प्राप्त होंगे।

29. मैं एक बार फिर रक्षा मंत्रालय और सोसाइटी ऑफ इंडियन मैन्युफैक्चरर्स को इस कॉन्कलेव और एक्सपो का आयोजन करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द।